राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के दूसरे दिन अरण्यकांड की भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शक हुए भावविभोर

❐ भगवान राम के वनवास, सीता हरण, जटायु-रावण युद्ध, शबरी प्रसंग की प्रस्तुति को लोगों ने सराहा, तालियां बजाई और कलाकारों का हौसला बढ़ाया

रायगढ़। राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के दूसरे दिन कलाकारों के दल ने रामायण के विविधि प्रसंगों की शानदार प्रस्तुति देकर लोगों को भक्तिभाव से विभोर कर दिया। कार्यक्रम का आगाज झारखंड से आए कलाकार दल ने अरण्यकांड पर मनमोहक प्रस्तुति दी। सीता हरण और राम द्वारा शबरी के झूठे बेर खाने के प्रसंग की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत एवं स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर लोकगायक दिलीप षडंगी ने अपनी टीम के साथ हनुमान चालीसा की प्रस्तुति दी। महोत्सव में उपस्थित सभी लोगों ने तालियों की थाप के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस अवसर पर मंत्री अमरजीत भगत ने महोत्सव में उपस्थित दर्शकों को सम्बोधित किया और उपस्थित लोगों के स्वागत के लिए लोकगीत गाया।

महाराष्ट्र के वर्धा से आए कलाकार दल ने श्रीराम के वनवास कथा से जुड़े प्रसंग की शानदार मंचन किया। मध्य प्रदेश से आए कलाकार दल ने अरण्यकांड पर जीवंत प्रस्तुति दी। उनकी भावपूर्ण प्रस्तुति ने उस दृश्य को दर्शकों के समक्ष जीवंत कर दिया जब दंडकारण्य में राम ने शबरी के जूठे बेर खाए थे। श्रीराम के वनवास कथा से जुड़े प्रसंग की जीवंत प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मध्यप्रदेश की रामायण मंडली अरण्य कांड से जुड़े सीताहरण प्रसंग में जटायु-रावण का युद्ध और घायल जटायु से राम के संवाद, शबरी प्रसंग को प्रस्तुत किया। असम के परफोर्मिंग आर्ट्स कॉलेज डिब्रूगढ़ और झारखण्ड के कलाकारों ने भी सीताहरण प्रसंग, जटायु प्रसंग और राम के वन-वन भटकने के प्रसंग की भावपूर्ण प्रस्तुति दी।

असम से आए कलाकारों की टीम में कुल 21 कलाकार है जिसमें 16 महिला कलाकार शामिल है। असम के कलाकारों की अरण्यकांड पर शानदार प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा और तालियां बाजाकर कलाकारों की हौसला अफजाई की। उड़ीसा के कलाकारों द्वारा मारीच प्रसंग की भावपूर्ण प्रस्तुति को भी दर्शकों ने खूब सराहा। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा के कलाकारों की अरण्य कांड की प्रस्तुति के दौरान माता सीता के प्रति भगवान श्रीराम का प्रेम, समर्पण और करुणा की भावाभिव्यक्ति ने दर्शकों को भावविभोर किया। स्वर्ण मृग बने हिरण की कथा रामायण के सबसे प्रेरक प्रसंगों में एक है। जब ऐसी घटना हो, जो अप्रत्याशित लगती हो तो इस पर आगे बढ़ने से पहले कई बार विचार करना चाहिये। लक्ष्मण रेखा का सिद्धांत भी गूढ़ अर्थ रखता है। जीवन में सेवा कार्य जरूरी है पर संशय भाव भी होना जरूरी है। सीता जी का अपहरण रावण कर लेता है। वह साधु बनकर आता है। कलाकारों की यह प्रस्तुति बेहद प्रशंसनीय रही। इस प्रस्तुति में शबरी का धैर्य भी दिखा। शबरी ने बरसों इंतजार किया और जितनी बड़ी उनकी तपस्या रही, उनका पुण्य उतना ही जागृत हुआ। भगवान उनकी कुटिया में आये। सबके हिस्से में शुभ हो, मीठा हो। सर्वे भवन्तु सुखिन: के वैदिक विचार से शबरी ने मीठे बेर खिलाये। प्रस्तुति के दौरान एक गहन आध्यात्मिक चर्चा हुई। राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के मंच का यह दृश्य देखकर ऐसा लग रहा था कि रामलीला मैदान में हजारों की संख्या में रामकथा सुन रहे लोगों के मन में यह सुंदर विचार उतर रहा है।

आज 4 राज्य के रामायण मंडलियों के मध्य होगा अरण्यकाण्ड पर आधारित रामायण प्रतियोगिता

❐ कंबोडिया एवं इंडोनेशिया विदेशी दल की होगी प्रस्तुति, शाम में होगी केलो महाआरती

❐ राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मैथिली ठाकुर की होगी भजन संध्या तो कुमार विश्वास 'अपने-अपने राम म्युजिक नाईट' की देंगे प्रस्तुति

रायगढ़। राष्ट्रीय रामायण महोत्सव का समापन समारोह 3 जून को रामलीला मैदान में होगा। जहां दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक 4 अंतराज्यीय रामायण मंडलियों के मध्य अरण्यकाण्ड पर आधारित रामायण प्रतियोगिता का आयोजन होगा। शाम 6 से 6.30 बजे तक कंबोडिया विदेशी दल की प्रस्तुति होगी। वहीं शाम 6.30 से 7 बजे तक केलो महाआरती एवं महिला स्व-सहायता समूह के बहनों द्वारा गोबर से निर्मित दिये द्वारा दीपदान का आयोजन होगा। रात्रि 7 बजे से माननीय मुख्य अतिथि एवं माननीय अतिथियों का मंच पर आगमन होगा। रात्रि 7.15 से 7.30 बजे तक दीप प्रज्जवलन, राजगीत एवं हनुमान चालासी का सामूहिक पाठ होगा। रात्रि 7.30 से 8.30 बजे तक समापन समारोह के दौरान स्मृति चिन्ह भेंट, विजेता दलों को पुरस्कार वितरण, विदेश से पधारे कलाकार दलों का सम्मान, प्रतियोगिता के निर्णायकों का सम्मान एवं माननीय अतिथियों के समक्ष विजेता दलों और विदेशी कलाकारों की प्रस्तुतियां होगी। रात्रि 8.30 से 9 बजे तक इंडोनेशिया विदेशी दल की प्रस्तुति होगी। रात्रि 9 से 9.30 बजे तक राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार मैथिली ठाकुर की भजन संध्या एवं रात्रि 9.30 से 10 बजे तक कुमार विश्वास 'अपने-अपने राम म्युजिक नाईट' की प्रस्तुति देंगे।

महत्वपूर्ण एवं खास

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना हेतु निशुल्क प्रशिक्षण के लिए 9 जून तक आवेदन आमंत्रित

रायगढ़। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, रायगढ़ में मुख्यमंत्री कौशल योजना के अंतर्गत इलेक्ट्रिकल डोमेस्टिक, डीसीएम कोर्स में एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत फॉर व्हीलर सर्विस टेक्नीशियन, असिस्टेंट मेन्युल मेटल आर वेल्डिंग के साथ-साथ महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, रायगढ़ के अंतर्गत केवल महिला आवेदक के लिए सेल्फ एम्पलाई टेलर में नि:शुल्क प्रशिक्षण दिया जाना है। सभी कोर्स हेतु 8 वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। आवेदन पत्र के साथ निवास प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, बीपीएल कार्ड, आधार कार्ड, रोजगार पंजीयन प्रमाण-पत्र एवं दो पासपोर्ट साईज फोटो के साथ 9 जून 2023 शाम 5 बजे तक आवेदन पत्र जमा कर सकते है। यह प्रशिक्षण रायगढ़ जिले के अंतर्गत आवेदकों के लिए है।

आईटीआई रायगढ़ में प्रवेश हेतु 11 जून तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित

रायगढ़। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था रायगढ़ में सत्र अगस्त 2023 में विभिन्न व्यवसाय जैसे विद्युतकार, फिटर, टर्नर, मोटर मैकेनिक, मशीनिष्ट, वायरमेन, इलेक्ट्रानिक्स मैकेनिक, शीट मेटल, वेल्डर, मोल्डर, कारपेन्टर, सेक्रेटियल प्रेक्टिस, फिजियोथेरेपी टेक्नीशियन, आरएसी ड्रायवर कम मैकेनिक, कोपा में प्रवेश हेतु इच्छुक विद्यार्थी संचालनालय के वेबसाईट cgiti.cgstate.gov.in में जाकर प्रवेश हेतु अपना ऑनलाईन आवेदन 11 जून तक अपलोड कर सकते है। प्रवेश संबंधी अन्य जानकारी इसी लिंक के एडमिशन गाईड लाईन्स 2023 पर उपलब्ध है। इस संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय प्राचार्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था रायगढ़ में उपस्थित होकर कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते है।

विश्व पर्यावरण दिवस : हमारी पृथ्वी, हमारा स्वास्थ्य, हमारी जिम्मेदारी अभियान के तहत अधिक से अधिक पौधा लगाने जनसामान्य से अपील

रायगढ़। प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा करने के लिए लोगों को जागरूक करना है। विश्व पर्यावरण दिवस जिसका थीम बीट प्लास्टिक पाल्यूशन है के अवसर पर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मधुलिका सिंह ठाकुर द्वारा हमारी पृथ्वी, हमारा स्वास्थ्य, हमारी जिम्मेदारी अभियान के तहत लोगों से अपील की है कि प्लास्टिक उत्पादों का उपयोग कम करें। गर्म भोजन के लिए पालीथीन/प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल न करें। बाजार जाने पर सामान लाने हेतु कपड़े का थैला लेकर जाए। कागज का इस्तेमाल सोच-समझकर करें। पानी व्यर्थ न बहायें, भवनों में वॉटर हार्वेस्टिंग लगवाये। गीला कचरा को खाद बनाकर इस्तेमाल करें। अनावश्यक बिजली की खपत को कम करने के लिए स्विच ऑफ नीति अपनाये प्राकृतिक बिजली और वायु संचार का अधिकतम उपयोग करें। अधिक से अधिक पौधा लगाये और वृक्ष की देखभाल करें एवं उसे काटे नहीं।

राम भक्ति के रंग में रंगा रायगढ़ : राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के आयोजन पर दुल्हन की तरह सजा शहर

रायगढ़। भगवान राम के वनवास से लौटने पर अयोध्या नगरी को जिस तरह दीपों, तोरण और फूलों से दुल्हन की तरह सजाया गया था, उसी तरह राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के आयोजन पर छत्तीसगढ़ की कला और संस्कृति की नगरी रायगढ़ के चौक-चौराहों और घरों के द्वार दीपों और रंग-बिरंगी रौशनी से सजाए गए हैं।

राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के आयोजन के दौरान रायगढ़ शहर राम भक्ति के रस में सराबोर नजर आ रहा है। लोगों में इस तीन दिवसीय महोत्सव के आयोजन को लेकर अद्भुत उमंग और उल्लास है। शहर के नागरिकों ने भगवान राम से जुड़े इस आयोजन पर स्व-स्फूर्त रूप से श्रद्धा और भक्ति के भाव के साथ अपने घरों के प्रवेश द्वारों को दीपों और रंग-बिरंगी रौशनी से सजाया है। चौक-चौराहों पर भी आकर्षक रौशनी की गई है। देश-विदेश के रामायण दलों की उपस्थिति ने इस महोत्सव के आयोजन में चार चांद लगा दिए हैं। रामकथा के अलग-अलग राज्यों और देशों में कहने के अंदाज और उनकी नाट्य प्रस्तुति को देखने का आकर्षण लोगों को बरबस ही रामलीला मैदान की ओर खींच रहा है। देश और विदेश के कलाकारों द्वारा राम कथा के अरण्यकाण्ड पर दी जा रही प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है।

31 मई को हुए सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को सेवानिवृत्ति के दूसरे दिन ही पीपीओ एवं जीपीओ जारी

रायगढ़। रायगढ़ जिला के अन्तर्गत 31 मई को सेवानिवृत्त होने वाले 6 कर्मचारियों को 2 जून को पीपीओ और जीपीओ प्रदाय किया गया। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा द्वारा 6 सेवानिवृत्त कर्मचारी गणेश्वर प्रसाद यादव, सुभाष मिश्रा, मंगल प्रसाद पटेल, ताराचंद पटेल, माधव लाल पटेल, अस्विनी कुमार चौधरी को पीपीओ और जीपीओ की कापी प्रदान किया गया तथा स्वस्थ जीवन एवं लम्बी उम्र की कामना करते हुए शुभकामनाऐं दी गई। मुख्यमंत्री की मंशा पर संचालक कोष लेखा एवं पेंशन नीलकंठ टेकाम के निर्देशानुसार संयुक्त संचालक बिलासपुर आर.के. पटेल से समन्वय कर कोषालय अधिकारी ज्योति सिंह द्वारा रायगढ़ से 6 प्रकरण के लिये संबंधित आहरण अधिकारी के माध्यम से समस्त दस्तावेज तैयार कराया गया एवं पीपीओ एवं जीपीओ की प्रति कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्रीमति ज्योति सिंह, सहायक कोषालय अधिकारी एस.के.ठाकुर, राजीव बरेठ, कमलेश डनसेना, खिलेंद्र देवांगन मौजूद थे।

श्रीमति ज्योति सिंह वरिष्ठ कोषालय अधिकारी द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया एवं समस्त आहरण अधिकारियों से आग्रह किया कि सेवानिवृति होने वाले कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण समय पर ऑनलाइन भेजे ताकि आगामी समय में भी समय से पीपीओ एवं जीपीओ प्रदान किया जा सके।

पति-पत्नी के झगड़े का बच्चियों पर न पड़ने दें असर -अध्यक्ष राज्य महिला आयोग

❐ आपसी विवाद में अलग-अलग रह रहे थे पति-पत्नी आयोग की समझाईश पर हुआ सुलह, राजी-खुशी गये अपने घर

❐ आयोग के निर्देश नियमानुसार आवेदिका को चतुर्थ श्रेणी में भर्ती करने की दे पात्रता

❐ नर्सिंग कालेज के संस्थापक को पुलिस के माध्यम से उपस्थित होने के दिए निर्देश

रायगढ़। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ.किरणमयी नायक की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट के सृजन सभाकक्ष में जिले से प्राप्त प्रकरणों पर सुनवाई की गई। आज प्रदेश स्तर की 179 वीं एवं रायगढ़ जिले में चौथी सुनवाई थी। जिसमें कुल 36 प्रकरणों पर सुनवाई की गई। जिसमें से 22 प्रकरणों को नस्तीबद्ध किया गया एवं 4 प्रकरणों को रायपुर सुनवाई हेतु ट्रांसफर किया गया है। इस दौरान आयोग की सदस्य अर्चना उपाध्याय भी साथ उपस्थित रही।

आयोग की सुनवाई में एक ऐसा प्रकरण सामने आया जिसमें पति-पत्नी एक ही घर में रह तो रहे है लेकिन दोनों के बीच प्राय: लड़ाई-झगड़ा होती रहती है। दोनों पक्षों को आयोग के द्वारा समझाने का बहुत प्रयास किया गया। लेकिन आवेदिका संतुष्ट नहीं हो पायी। आयोग ने कहा कि आपके लड़ाई-झगड़े के कारण आपके बच्चियों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है, जिसकी वजह से आगे चलकर उनका कैरियर खराब हो सकता है। क्योंकि बच्चियां तो आप दोनों की है। फिर भी महिला नहीं मानी। अनावेदक अपने वेतन से उसके घर खर्चे के लिए रूपये भी दे रहा है, लेकिन फिर भी पत्नी खुश नहीं है। जिसकी वजह से मामला जिला में निपटारा नहीं हो पाया और आगामी 5 जुलाई को रायपुर आयोग कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए। इसी तरह एक अन्य प्रकरण में पति-पत्नी शादी के कुछ ही दिन पश्चात आपसी मनमुटाव की वजह से अलग-अलग रह रहे थे। उक्त प्रकरण आयोग में आने के पश्चात दोनों को समझाईश दी गई और मामला का सुलह हो गया। आज दोनों पति-पत्नी खुशी-खुशी अपने घर को लौट गई।

एक प्रकरण में मां की मृत्यु पश्चात आवेदिका उसकी पुत्री द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति के संबंध में आवेदन लगायी थी। लेकिन विभाग द्वारा उसे अपात्र घोषित करते हुए अनुकम्पा नौकरी प्रदान नहीं किया जा रहा था। जिसके कारण आवेदिका ने आयोग में सुनवाई हेतु आवेदन किया था। जिस संबंध में आयोग द्वारा अनावेदक को गजट नोटिफिकेशन पावती लेकर सुनवाई में उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया था। अनावेदक द्वारा संबंधित दस्तावेज लेकर नहीं आने पर आयोग द्वारा निर्देशित किया गया कि नियमानुसार आवेदिका को चतुर्थ श्रेणी में भर्ती करने की पात्रता दी जाए। उक्त प्रकरण को विशेष मानते हुए आयोग द्वारा अनुशंसा की गई कि तत्काल प्रभाव से आवेदिका को चतुर्थ श्रेणी भृत्य पद पर नियुक्ति प्रदान करें तथा आदेश दिनांक 14 जून 2023 को महिला आयोग कार्यालय रायपुर में उपस्थित किया जाए, जिसके आधार पर प्रकरण को नस्तीबद्ध किया जा सके। इसी प्रकार एक अन्य पिछले प्रकरण में उकिया देवी नर्सिंग कालेज के संस्थापक को आयोग के निर्देश का पालन करने सुनवाई में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे किन्तु नर्सिंग कालेज के संस्थापक द्वारा उसका पालन नहीं किया गया। ऐसी दशा में आयोग द्वारा थाना पुसौर रायगढ़ के पुलिस निरीक्षक के माध्यम से रायपुर की अगली सुनवाई में उपस्थित कराने के निर्देश दिए गए है।

खरसिया पुलिस ने बैनर, पोस्टर और रैली के जरिए नशे से दूर रहने का दिया संदेश

रायगढ़। तंबाकू के सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने को लेकर प्रतिवर्ष 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इसी अनुक्रम में चौकी खरसिया पुलिस व खरसिया क्षेत्र की विभिन्न महिला समूह द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर संयुक्त रूप से खरसिया शहर में नशा मुक्ति का संदेश देने अभियान चलाया गया। मुहिम के तहत खरसिया पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थानों, पान ठेला व दुकानों में पोस्टर चिपकाए गये तथा शहर में बैनर के साथ रैली निकालकर आमलोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। मुहिम में खरसिया पुलिस के साथ आमलोगों की अच्छी सहभागिता रही है जिसे देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियो द्वारा स्कूल, कॉलेजों के प्रांरभ होते ही "नशा मुक्ति अभियान" को और विस्तार किये जाने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिये गये हैं।

इंडोनेशिया के बाली द्वीप से आये कलाकारों ने कहा- राम की भूमि में आकर धन्य हुए जिनकी कथा हम दुनिया भर में सुनाते हैं

❐ बाली से आये कलाकारों ने अपने द्वीप में भारतीय सांस्कृतिक प्रभाव पर बताया, कहा रामकथा के परिधान जगह-जगह तैयार होते हैं

❐ यूरोपियन यूनियन, अमेरिका सहित अनेक देशों में देते हैं प्रस्तुति

❐ कहा पहली बार उस धरती पर आए जहां से रामकथा सृजित हुई, छत्तीसगढ़ वही धरती जहां अरण्य कांड रचा गया

रायगढ़। भारत से लगभग साढ़े आठ हजार किलोमीटर की दूरी पर बसे इंडोनेशिया के बाली द्वीप में भी किसी लड़की का नाम पद्मा हो सकता है या फिर श्रीयानी हो सकता है यह सोचना भी चकित कर देता है लेकिन बाली द्वीप में ऐसा हो सकता है। 2000 बरस पहले यहां भारतीय उपमहाद्वीप का सांस्कृतिक प्रभाव पड़ा और बाली ने भारत के सांस्कृतिक मूल्यों को अपना लिया। वाल्मीकि की रामायण कथा बाली द्वीप में आज ही उसी तरह से सुनी सुनाई जाती है और स्थानीय संस्कृति के अनुरूप इसका सुंदर मंचन किया जाता है। राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के मौके पर बाली से आए दल की सदस्य ने बताया कि मेरा नाम पद्मा है हमारे यहां बिल्कुल वैसे ही पूजा होती है जैसे भारत में होती है। हमारे यहां भी लोग मंदिर जाते हैं और हम सब भगवान राम के प्रति गहरी श्रद्धा रखते हैं। बाली से ही आई श्रीयानी ने बताया कि लक्ष्मी जो विष्णु जी की पत्नी है उनकी विशेष पूजा बाली द्वीप में होती है और इसी वजह से बहुत सारी लड़कियों के नाम से हैं जैसे श्रीयानी या पदमा।

श्रीयानी ने बताया कि उनके दल द्वारा मंचित की गई राम कथा केवल इंडोनेशिया में ही नहीं सुनाई जाती, इसका मंचन आसपास के देशों जैसे सिंगापुर आदि में भी होता है यही नहीं वह यूरोपियन यूनियन तथा अमेरिका में भी अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं। श्रीयानी ने बताया कि जब उनका दल राम कथा सुनाता है तब उनकी कलात्मक प्रस्तुति और उनका वस्त्र विन्यास लोगों को बहुत भाता है। इसके अलावा श्रीराम का अद्भुत चरित्र सब को बहुत पसंद आता है। श्रीयानी ने बताया कि उन्हें रामकथा इसलिए अच्छी लगती है क्योंकि श्रीराम हमेशा अपनी पत्नी सीता का ध्यान रखते हैं। जब उनका अपहरण होता है तब वह उन्हें वापस लाने लंका तक चले जाते हैं लंका में पुल का निर्माण करते हैं। इस तरह से जब भावपूर्ण कथा की प्रस्तुति होती है तो लोगों के लिए अद्भुत दृश्य बनता है।

श्रीयानी से जब उनके परिधानों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि बाली में रामकथा से जुड़े हुए जुड़ी हुई सामग्री बनाने का कुटीर उद्योग है यहां न केवल कलाकारों के लिए मुकुट तैयार होते हैं अपितु यहां पर उनके लिए सुंदर वस्त्र भी तैयार होते हैं।

श्रीयानी ने वस्त्र दिखाते हुए कहा कि देख लीजिये, सालों से इसी तरह के वस्त्र रामकथा में पहने जा रहे हैं और इन वस्त्रों की विशेषता यह है कि ऐसे ही परिधान हमारे मंदिरों में भी देवताओं ने धारण किए हैं। अपने मुकुट की तरफ इशारा करते हुए श्रीयानी ने बताया कि इसे देखिए, यह वैसा ही है जैसे बाली के मंदिरों में बनी मूर्तियों में दिखता है। फिर उन्होंने बताया कि यह मुकुट दुकानों में बिकते हैं। फूलों की ओर इशारा करते हुए मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा कि बस यह फूल ही है जिन्हें हम चुनकर अपने मुकुट में लगाते हैं हमारा इतना ही काम है और फिर उसके बाद अपनी अपनी प्रस्तुति में लग जाते हैं।

श्रीयानी ने बताया कि वह पहली बार भारत आई हैं। यहां आकर बहुत अच्छा लगा। यह श्रीराम का देश है। मुझे बताया गया कि रामकथा में वर्णित अरण्यकांड का स्थल दंडकारण्य ही है। यह छत्तीसगढ़ ही है जहां मैं आई हूँ। यह सोचकर ही मुझे बहुत अच्छा लग रहा है हम सब छत्तीसगढ़ में आकर और यहां हुए भव्य स्वागत से अभिभूत हैं।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480